SHRI GULABRAO ESHWARA KHANDVE EDUCATIONAL FOUNDATION

JAGADGURU INTERNATIONAL SCHOOL, LOHEGAON, PUNE

TERM - 1 (2024-2025)

Grade – VIII | **Time: - 3 Hours**
Subject: - Hindi | **M. Marks: - 80**
Date: - 19/09/2024 | **Roll No. _____**

निर्देशः
1 इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं क, ख, ग, घ।
2 चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3 यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड 'क' (बहुविकल्पी प्रश्न)		
प्रश्न.1)	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए।** (कुल भार 7)	कुल भार
	मानव जीवन में रिश्ते-नातों का बहुत महत्व है। इसके अभाव में तो जीवन की कल्पना तक नहीं की जा सकती। अकेला मानव, जीवन जी ही नहीं सकता। सृष्टि के निर्माण के समय, प्रलय के दौरान जब चारों ओर जल ही जल था, तब केवल मनु पृथ्वी पर अकेले थे। उन्होंने भी यही उपासना की थी कि उनके उद्धार व लक्ष्य प्राप्ति हेतु पृथ्वी पर किसी को भेजा जाए, तब परमात्मा ने उनकी प्रार्थना स्वीकार करके श्रद्धा को भेजा था। प्राचीन काल से ही संयुक्त परिवारों का चलन रहा है, जिससे इंसान में अपनापन, प्रेम, त्याग, सहयोग की भावना विद्यमान रहती थी। इन रिश्तों के द्वारा ही इंसान सामाजिक जीवन जी पाता है तथा यही मानव जीवन में महत्वपूर्ण भी है। वर्तमान समय एकल परिवारों का है, जिसमें इंसान अपने दायित्ववश कितना ज्यादा व्यस्त रहने लगा है कि रिश्ते नातों को भी भूलने लगा है। इस कारण अपनेपन की भावना समाप्त होने लगी है तथा स्वार्थ व धन-लालसा जीवन में महत्वपूर्ण हो गई है। इस कारण परस्पर ईर्ष्या की भावना बढ़ती जा रही है। अकेला मानव सुखमय जीवन की ही नहीं सकता। अपने मानसिक सुख के लिए उसे समाज से मिलकर रहना ही होगा, जिसके लिए रिश्तों को निभाना अत्यंत आवश्यक है। रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए इंसान को कुछ समय रिश्ता रिश्तेदारों के लिए निकलना ही होगा, सुख-दुख के समय उनके पास मौजूद रहना होगा, तभी रिश्तों में अपनापन बने रहना संभव है।	
क)	संयुक्त परिवार में किस प्रकार की भावना होती है?	(1)

i)	अपनापन प्रेम त्याग तथा सहयोग की भावना।	
ii)	स्वार्थ की भावना।	
iii)	अकेलेपन की भावना।	
iv)	दूसरों से केवल मदद लेने की भावना।	
ख)	रिश्तों को किस प्रकार मजबूत बनाया जा सकता है?	(1)
i)	सुख-दुख में एक दूसरे का साथ देकर।	
ii)	अपने स्वार्थ के लिए दूसरों की मदद लेकर।	
iii)	दूसरों को समय न देकर।	
iv)	दूसरों से केवल मदद की अपेक्षा करके।	
ग)	एकल परिवार में रिश्ते-नाते भूलने के कारण क्या परिणाम हुआ?	(2)
घ)	मानव जीवन में रिश्ते नातों की भूमिका बताइए।	(2)
ङ)	उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दें।	(1)
प्रश्न.2)	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए। (कुल भार **7**)	
	चंद्रयान 3 इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के सबसे मुख्य चंद्र मिशनों में से एक है। 14 जुलाई 2023 में चंद्रयान-3 को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्री हरी कोटा से लांन्च किया गया। इसका उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करना था। इस मिशन के दो भाग हैं -'लैंडर' जिसे विक्रम कहा जाता है और 'प्रज्ञान रोवर'। इस मिशन का उद्देश्य चांद पर ठंडा क्षेत्र में पानी का पता लगाना है। चंद्रयान -1 और चंद्रयान-2 की असफलता और चुनौतियों के अनुभव के बाद चंद्रयान-3 दोबारा पूरे दृढ़ संकल्प के साथ अपने मिशन को पूरा करने के लिए तैयार किया गया, जिसमें भारत को सफलता प्राप्त हुई। इस मिशन के दौरान भारत को अंतरिक्ष में अपने तकनीकी कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। चांद पर भेजे गए अत्याधुनिक उपकरण वहां मौजूद मिट्टी की जांच करने व अन्य जानकारी को प्राप्त करने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं। चंद्रयान-3 ने एक महीने तक अंतरिक्ष में घूमने के बाद 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा की सतह पर दक्षिणी ध्रुव में कामयाबी के साथ सॉफ्ट लैंडिंग की। इस मिशन के बाद भारत की इस मिशन के बाद भारत को अमेरिका, रूस और चीन के बाद चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाले चार देशों में शामिल किया जाने लगा है।इस मिशन का केंद्र बिंदु चंद्रमा के भूविज्ञान, खनिज विज्ञान और ब्रह्मामंडल की गहराई को जानना है, जिससे इसकी उत्पत्ति और विकास के बारे में हमें अधिक जानकारी मिल सके। इस मिशन का सफल होना हर भारतीय के लिए गौरव की बात है। 'स्पेस रिसर्च' की दुनिया में भारत में एक बेहतरीन उपलब्धि प्राप्त की है और दुनिया भर में भारत की इस विशाल उपलब्धि की सराहना की जा रही है।	
क)	चंद्रयान को कब और किसने लांन्च किया?	(1)
ख)	चंद्रयान-3 का मुख्य उद्देश्य क्या है?	(1)

ग)	चंद्रयान-3 चंद्रमा के किस क्षेत्र में उतरा था।	(1)
घ)	भारत के अतिरिक्त चांद पर पहुंचने वाले और कौन-कौन से देश हैं?	(1)
ङ)	चंद्रयान 3 मिशन का केंद्र बिंदु क्या है?	(1)
च)	उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए।	(1)
छ)	इस मिशन का केंद्र बिंदु क्या था?	(1)
	खण्ड 'ख' (व्याकरण)	
प्रश्न.3)क)	नीचे दिए गए मूल शब्दों में उचित उपसर्ग/प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए। (2×1=2) 1) भाव 2) भारत	(2)
ख)	नीचे दिए गए मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करें। (2×1=2) 1) अंगूठा दिखाना। 2) टेढ़ी खीर।	(2)
ग)	नीचे दिए गए शब्दों के लिए दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। (कोई दो) (2×1=2) 1) आभूषण 2) यमुना 3) दुख	(2)
घ)	नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। (2×1=2) 1) मानव 2) मीठा	(2)
ङ)	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए। (वाक्यांश) (2×1=2) 1) जो वेतन लेकर काम करें - ..... 2) पीछे चलने वाला -	(2)
च)	निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए। (2×1=2) 1) रोहित को भी पीने के लिए थोड़ा–सा दूध देना। 2) रंग–बिरंगे फूल देखकर रोहन का मन खुशी से नाचने लगा।	(2)
छ)	नीचे दिए गए वाक्यों में सर्वनाम शब्द छाँटकर उसका भेद लिखिए। (कोई एक) (1×1=1) 1) मोहन ने मुझसे कहा था कि बाहर मत जाना। 2) जो जल्दी उठेगा, वही जाएगा।	(1)
ज)	निम्नलिखित वाक्य में उचित विराम चिह्नों का प्रयोग कर वाक्य दोबारा लिखिए। (2×1=2) 1) गरीब आदमी को क्या नहीं झेलना पड़ता 2) खेत में अनाज बोना पानी देना फसल काटना और शहर में उसे बेचना किसान का रोज़मर्रा का काम है	(2)
झ)	नीचे दिए गए वाक्यों में संज्ञा शब्द छाँटकर उसका भेद लिखिए। (कोई एक) (1×1=1) 1) रोहित के लिए तो यह काम उसके बाएँ हाथ का काम है। 2) नेताजी सभा को संबोधित कर रहे थे।	(1)
	खण्ड 'ग' (साहित्य)	
प्रश्न.4)	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए। (कुल भार 5)	
	भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्व नहीं दिया है उसकी दृष्टि से मनुष्य के भीतर जो महान आंतरिक गुण स्थिर भाव से बैठा हुआ है वही चरम और परम है। लोभ-मोह काम-क्रोध आदि विचार मनुष्य में स्वाभाविक	

	रूप से विद्यमान रहते हैं पर उन्हें प्रदान शक्ति मान लेना और अपने मन तथा बुद्धि को उन्हीं के इशारे पर छोड़ देना बहुत बुरा आचरण है। भारतवर्ष में कभी भी उन्हें उचित नहीं माना उन्हें सदा संयम के बंधन से बांधकर रखने का प्रयत्न किया है परंतु भूख की उपेक्षा नहीं की जा सकती बीमार के लिए दवा की उपेक्षा नहीं की जा सकती गुमराह को ठीक रास्ते पर ले जाने के उपायों की उपेक्षा नहीं की जा सकती।	
क)	निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है?	(1)
i)	भूख की उपेक्षा नहीं की जा सकती है।	
ii)	गुमराह को सुधारने के उपायों की उपेक्षा नहीं की जा सकती।	
iii)	बीमा की दवा की उपेक्षा की जा सकती है।	
iv)	मनुष्य के आंतरिक गुण ही श्रेष्ठ हैं।	
ख)	गुमराह को ठीक रास्ते पर लाने के लिए क्या किया जा सकता है?	(1)
i)	गुमराह को समझाया और दंड दिया जा सकता है।	
ii)	गुमराह को अपनों से दूर रहने की सलाह दी जा सकती है।	
iii)	उसको दुर्लक्षित किया जा सकता है।	
iv)	उसको समाज से बाहर किया जा सकता है।	
ग)	बुरा आचरण क्या है?	(1)
घ)	उपर्युक्त गद्यांश में से दो युग्म शब्द छांटकर लिखिए।	(1)
ङ)	उपर्युक्त गद्यांश में से दो संयुक्त व्यंजन वाले शब्द छांटकर लिखिए।	(1)
प्रश्न.5)	**निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए। (25 से 30 शब्दों में) (कुल भार 6)**	
क)	बदलू के मन में ऐसी कौन सी व्यथा थी, जो लेखक से छिपी ना रह सकी?	(2)
ख)	'बस की यात्रा' पाठ के आधार पर बताइए कि बस की अवस्था कैसी थी?	(2)
ग)	लेखक ने स्वीकार किया है कि लोगों ने उन्हें धोखा दिया है फिर भी वह निराश नहीं है। आपके विचार से इस बात का क्या कारण हो सकता है?	(2)
प्रश्न.6)	**निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए। (कुल भार 5)**	**(5)**
	अभी भी भीड़ है स्टेशन पर अभी भी एक रेलगाड़ी जाती है गंतव्य तक जहां कोई कर रहा होगा प्रतीक्षा अभी भी कहता है कोई किसी को जल्दी आ जाओ कि अब सूरज डूबने का वक्त हो गया	
क)	गंतव्य पर क्या हो रहा होगा?	(1)

i)	भीड़ होगी।	
ii)	लोग आ-जा रहे होंगे।	
iii)	कोई इंतजार कर रहा होगा।	
iv)	कोई बैठा होगा।	
ख)	व्याकरणिक दृष्टि से स्टेशन शब्द ……..……है।	(1)
i)	तद्भव शब्द	
ii)	विदेशी शब्द	
iii)	तत्सम शब्द	
iv)	देशज शब्द	
ग)	हिमालय पर्वत बहुत ऊंचा है।	(1)
i)	इस वाक्य में बहुत यह........है।	
ii)	विशेषण	
iii)	विशेष्य	
iv)	प्रविशेषण	
घ)	भूखे व्यक्ति को खाना खिलाओ। इस वाक्य में विशेष्य शब्द हैं..........	(1)
i)	भूखे	
ii)	व्यक्ति	
iii)	खिलाओ	
iv)	खाना	
ङ)	घर आने के लिए अभी भी कोई किसी को क्या कहता है?	(1)
प्रश्न.7)	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए। (**25** से **30** शब्दों में) (कुल भार **6**)	
क)	भीखमंगों की दुनिया में बेरोज प्यार लूटने वाला कभी ऐसा क्यों कहता है कि वह अपने हृदय में असफलता का एक निशान बाहर की तरह लेकर जा रहा है? 'दीवानों की हस्ती' इस कविता के आधार पर लिखिए।	(2)
ख)	कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों बताया है? स्पष्ट कीजिए।	(2)
ग)	"यह कठिन समय नहीं है?" यह बताने के लिए कविता में कौन-कौन से तर्क प्रस्तुत किए गए हैं? स्पष्ट कीजिए।	(2)
प्रश्न.8)	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए। (**50** से **60** शब्दों में)। (कुल भार **6**)	
क)	अहमदनगर के किले की मिट्टी कैसी थी? लेखक ने उसे कैसे उपजाऊ बनाया?	(2)
ख)	'गंगा भारत की सभ्यता और संस्कृति के पहचान है।' स्पष्ट कीजिए।	(2)
ग)	सिंधु घाटी की सभ्यता के विषय में क्या-क्या ज्ञात हुआ है?	(2)
खण्ड 'ख' (लेखन)		

प्रश्न.9)	निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों का अनुच्छेद लिखिए। (1×5=5) सांच बराबर तप नहीं झूठ बराबर पाप..... संकेत बिंदु • तपस्या और सत्य एक सिक्के के दो पहलू • सत्य अमर है और झूठ की आयु-छोटी • सच एक गुण है वही झूठ एक दोष मानवीय स्वभाव के **अथवा** प्रदूषण समस्या एवं निवारण..... संकेत बिंदु • प्रकृति और मनुष्य का संबंध • प्रदूषण के कारण • प्रदूषण को कम करने के उपाय • आधुनिक जीवन शैली और प्रदूषण	(5)
प्रश्न.10)	खेल संबंधी वस्तुएं मंगवाने के लिए आपके विद्यालय की प्रधानाचार्य जी को प्रार्थना पत्र लिखिए। अथवा आपके नगर निगम अधिकारी को अपने मोहल्ले में साफ़-सफ़ाई की दुर्व्यवस्था की ओर ध्यान दिलाते हुए एक शिकायती पत्र लिखिए। (1×5=5)	(5)
प्रश्न.11)	आपके विद्यालय में एक सप्ताह के लिए शीतकालीन शिबीर का आयोजन किया जा रहा है इस हेतु सूचना लिखिए। (1×5=5)	(4)
प्रश्न.12)	हिंदी दिवस के अवसर पर आपके विद्यालय में आयोजित हिंदी दिवस समारोह एवं प्रतियोगिताओं की जानकारी देने वाला विज्ञापन बनाइए। (1×5=5)	(3)
प्रश्न.13)	नीचे दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अपने शब्दों में लघुकथा लिखिए साथ ही उचित शीर्षक देकर कहानी से मिलने वाली सीख्र भी लिखिए। (1×5=5) संकेत बिंदु शीर्षक ..... • रास्ते में चलते–चलते रोहन को एक पैसे से भरा बटुआ मिलना। • सेठजी का नौकर का बटुआ खोजने के लिए भेजना । • रोहन का सेठजी के पीछे–पीछे बटुआ वापिस देने के लिए उनके ऑफिस तक आना। • सेठजी का खुश होकर रोहन को उपहार दिया । सीख्र	(5)